न्यायालय
सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी–बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी –केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:– 2024/418 दर्ज तिथिः–09.09.2024

1. मांगाराम पुत्र नवलाराम
2. चिमनाराम पुत्र नवलाराम
3. गलुदेवी पत्नी नवलाराम
4. अचला पुत्र काना
5. बीजला पुत्र काना
6. हेमा पुत्र काना
7. हापु पुत्र काना
8. गिरधारी पुत्र रामा
9. विरधा पुत्र रामा
10. जाला पुत्र रामा
11. पदमाराम पुत्र प्रभुराम
12. बाबुराम पुत्र भगवानाराम
13. मोटाराम पुत्र भगवानाराम
14. सोनाराम पुत्र भगवानाराम
15. खेताराम पुत्र भंवराराम नाबालिग संरक्षक माता दलुदेवी
16. दलुदेवी पत्नी भंवराराम
17. हुकमाराम पुत्र भंवराराम नाबालिग संरक्षक माता दलुदेवी

जाति जाट निवासी मनराणी भीलों की ढाणी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर

......................प्रार्थी

बनाम

1. गेनाराम पुत्र कुम्पाराम
2. देवाराम पुत्र कुम्पाराम
3. नरीगा पुत्र भगवानाराम
4. बेसराराम पुत्र भगवानाराम
5. शेराराम पुत्र भगवानाराम
6. हरकनराम पुत्र कुम्पाराम

जाति रबारी निवासी मनराणी भीलों की ढाणी आमलियाला

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.03.05 16:30:52 IST
Reason: SelfAttested

7. खेराजराम गोदपुत्र सोनाराम
8. डुंगराराम पुत्र गुमनाराम
9. ताजा पुत्र मेगा
10. नगाराम पुत्र बुधाराम
11. मदाराम पुत्र बुधा
12. माधाराम पुत्र गुमनाराम
13. लुम्बा पुत्र प्रेमा
14. सता पुत्र मेगा
15. होतीराम पुत्र गुमनाराम

जाति मेघवाल निवासी मनराणी भीलों की ढाणी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर

................असल अप्रार्थी

16. तहसीलदार गुड़ामालानी।

....तकमील अप्रार्थी

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः— श्री हरिश चौधरी।
अप्रार्थीगणः— एकतरफा

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—111, 128
राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956

—:निर्णय:—

निर्णय तिथिः—03.02.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128 राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 306 / 0.4452 है0 मौजा मनराणी भीलों की ढाणी, खसरा संख्या 312 / 285 / 6.4659 है0, 313 / 285 / 6.0207 है0 मौजा वीरदास नगर पटवार हल्का भेडाणा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार गुडामालानी के यहां प्रार्थना—पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार गुडामालानी के आदेशांक दिनांक 24.05.2024 की पालना में पटवारी हल्का भेडाणा द्वारा दिनांक 30.05.2024 द्वारा मौके पर उपस्थित होकर उक्त आराजी का सीमांकन कराकर निशानदेही कराई गई। परन्तु

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.03.05 16:30:52 IST
Reason: SelfAttested

अप्रार्थीगण पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण मुताबिक पैमाइश रिपोर्ट दिनांक 30.05.2024 के आधार पर आराजी की पत्थरगढ़ी कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण बावजूद विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण उनके विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामलानी बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट निर्धारित चैकलिस्ट में तैयार करने हेतु लिखा गया। जिसकी पालना में पटवारी हल्का ने दिनांक 24.09.2024 को मौके पर जाकर निर्धारित चैकलिस्ट में बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक तैयार कर न्यायालय हाजा में प्रस्तुत की।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता प्रार्थीगण की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थीगण अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना—पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 30.05.2024 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है।

4. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***111. Decision of disputes as to boundaries***.—*(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

5. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.03.05 16:30:52 IST
Reason: SelfAttested

राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes.*** *- All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> ***Provided that*** *applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2070—2073 मौजा मनराणी भीलों की ढाणी एवं जमाबंदी संवत् 2074—2077 मौजा वीरदास नगर तहसील गुड़ामालानी में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड वाके ग्राम मनराणी भीलों की ढाणी एवं वीरदास नगर के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 30.05.2024 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 306/0.4452 है0 मौजा मनराणी भीलों की ढाणी, खसरा संख्या 312/285/6.4659 है0, 313/285/6.0207 है0 मौजा वीरदास नगर पटवार हल्का भेडाणा तहसील गुड़ामालानी पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर सक्षम न्यायालय के स्थगन के अध्यधीन रहते हुए

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.03.05 16:30:52 IST
Reason: SelfAttested

पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार गुड़ामालानी को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 03.02.2025 को लिखवाया जाकर सरे—इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी (बाड़मेर)

न्यायालय सहायक कलक्टर, उपखंड अधिकारी गुढ़ामालानी
सत्यमेव जयते

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.03.05 16:30:52 IST
Reason: SelfAttested